तेरे घर पहिले होता विश्व सबेरा!

- माखनलाल चतुर्वेदी

मुक्त गगन है, मुक्त पवन है, मुक्त साँस गरबीली,
लाँघ सात लाँबी सदियों को हुई शृंखला ढीली ।

टूटी नहीं कि लगा अभी तक उपनिवेश का दाग,
अरे तिरंगे तुझे उड़ाएँ जगा जगा कर आग ।

उठ रण-राते ओ बलखाते विजयी भारतवर्ष,
नक्षत्रों पर बैठे पूर्वज माप रहे उत्कर्ष।

ओ पूरब के प्रलयी पंथी ओ जग के सेनानी,
होने दे भूकम्प कि तूने आज भृकुटियाँ तानी ।

तेरे नभ पर उड़ जाते हैं वायुयान ये किसके ?
भुजवज्रों पर मुक्तिस्वर्ण को क्यों न देख ले घिसके ?

तीन ओर सागर लहराता, लहरें दौड़ी आतीं,
चरणभुजा कटिबंध भूमि तक वे अभिषेक सजातीं।

उठ पूरब के प्रहरी पश्चिम घूर रहा घर तेरा,
साबित कर तेरे घर पहले होता विश्व सबेरा।

सूझों में, साँसों में, सागर में, श्रम में, ज्वारों में,
जीने में, मरने में, प्रतिभा में, आविष्कारों में ।

तुझ पर पड़ तो किरणें झूठी हो जातीं, जग पाता,
जीने के ये मंत्र रक्त से लिक्खों भाग्य-विधाता।

तीन तरफ सागर की लहरें, जिनका बने बसेरा,
पतवारों पर नियति सजावे जिसके साँझ सबेरा।

बनती हों मल्लाह मुट्ठियाँ जहाँ भाग्य की रेखा,
रतनाकर टकरा-टकरा कर दे रतनों का लेखा।

उस लहरीले घर के झंडे देश-देश में लहरें,
लहरों में जाग्रत नर प्रहरी कभी न गति में ठहरें।

चिन्तक चिन्ता-धारा तेरी विश्व प्राण पा बैठी,
रे योद्धा प्रत्यंचा तेरी उठ कि बाण पा बैठी।

प्रबल शत्रु का वेग कुचल विजयी हो देश तुम्हारा,
लाल किले के झंडे में अंगुलि-निर्देश तुम्हारा ।

ब्रिटिश राज जब टुकड़े टुकड़े हुआ कि फिर किसका भय,
उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, लख तेरी ही जय जय ।

मस्तक पर दायित्व, भुजा में शस्त्र दृगों में ज्वाला,
तेरी हुँकारों पर उमड़े कोटि-कोटि जयमाला।

तीस करोड़ धड़ों पर जीवित तीस कोटि ये सिर हैं,
तुम संकेत करो कि हथेली पर हँस कर हाजिर हैं।

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. 'नक्षत्रों पर बैठे पूर्वज माप रहे उत्कर्ष' का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. 'उपनिवेश के दाग' को कवि ने किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए।
3. कवि स्वतंत्रता को स्थायी रखने के लिए क्या चाहता है ?
4. प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय-भाव स्पष्ट कीजिए।
5. 'तेरे घर पहिले होता विश्व सबेरा' कविता के माध्यम से कवि क्या सन्देश देना चाहता है ?
6. कवि देश को आत्म निर्भर बनाने के लिए क्या चाहता है ?

योग्यता विस्तार

1. माखनलाल चतुर्वेदी की उक्त कविता स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् लिखी गई है, ऐसी ही अन्य कविताओं का संकलन तैयार कीजिए।
2. भारत के मानचित्र में सागरों की स्थिति का अवलोकन कर रेखाचित्र तैयार कीजिए।
3. हिन्दी के ऐसे कवियों की सूची तैयार कीजिए जिन्होंने राष्ट्रप्रेम से संबंधित कविताओं की रचना की हो।

शब्दार्थ

शृंखला=जंजीर। **रणराते**=युद्ध में रंगे हुए। **उत्कर्ष**=उन्नति। **रत्नाकर**=समुद्र। **दृग**=नेत्र। **कोटि**=करोड़। **प्रत्यंचा**=धनुष की डोरी। **प्रहरी**=पहरेदार। **कटिबंध**=कमर में बाँधा जाने वाला गहना/पट्टा। **रक्त**=खून